संसाधनों के अभाव में भी किया बोरी बंधान

अलीराजपुर आदिवासी बाहुल्य जिला है। विकासखण्ड सोण्डवा का ग्राम फड़तला पहाड़ी और जंगल क्षेत्र में बसा हुआ है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम फड़तला से चयनित बीएसडब्ल्यू छात्रा कु. कालसी सोलंकी को मेंटर्स श्री राघवेन्द्र शरण शर्मा ने बताया कि ग्राम में पानी की समस्या है। पानी पहाड़ से नीचे आता है पर बहकर निकल जाता है। रेत भी बहुत है, पशु प्यासे रह जाते हैं। इसलिये पशुओं के लिये पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। पास के ग्राम वालपुर में पशुओ को पानी पिलाने ले जाना पड़ता है। इसके पश्चात मेंटर्स श्री राघवेन्द्र शरण शर्मा और श्री धर्मेन्द बामनिया ने गॉव का अवलोकन किया। गांव वालों ने सबसे पहले गॉव में पानी की समस्या से अवगत कराया। मेंटर्स और छात्रा ने बताया कि यह समस्या आप लोग ही बोरी बंधान निर्माण करके हल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सारे संसाधन स्वयं गॉव वाले जुटायेंगे। इसके बाद ग्रामीण इस कार्य में जुट गये। 145 सीमेंट की पुरानी बोरियॉ, 05 सुॅए, नाईलोन की रस्सी के 02 छोटे बण्डल, 05 फावड़े, 05 गेती और 10 तगारिया आदि के साथ करीब 30 लोग एकत्र हो गये, जिसमें 05 महिलाएॅ भी थी। श्रमदान से निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। कुछ लोगो ने रेत निकाल कर बोरिया

भरी तथा उन बोरियो को महिलाओ ने सिलने का कार्य किया। फिर उन्होने बोरियों एवं छोटे पत्थर मिटी एवं रेत उंचाई तक जमवाई। उसके बाद एक के उपर एक छः तखत बनाये और बोरी बंधान पूर्ण हुआ।

इस निर्माण से ग्रामवासियों को पशुओं के लिये पानी पिलाने 03 किमी दूर जाने के बजाय 100 मीटर पर पानी उपलब्ध हो गया। इस बोरी बंधान में पानी देखकर गॉव में उत्सव जैसा माहौल बन गया क्योंकि वर्षों से पशुओं को पानी पिलाने की समस्या से जुझ रहे ग्रामवासियों को अपने गॉव में ही पानी उपलब्ध हो गया।